(GCF-19, GCF-20, VCF-4, SCF-6 & SCF-7)

DATE: 18.02.2020 **MAXIMUM MARKS: 100** **TIMING: 2 Hours**

ECONOMICS AND COMMERCIAL KNOWLEDGE

All Questions is compulsory.

(1) Ans. b
Explanation: अर्थशास्त्र में सीमितता एक सापेक्ष अवधारणा हैं, क्योंकि दो देशों में सीमितता का एक अर्थ नहीं होता है।

(2) Ans. b
Explanation: निर्णय प्रक्रिया में हम कई समाधानों में से एक श्रेष्ठ समाधान का चुनाव करते हैं।

(3) Ans. c
Explanation: व्यवसायिक अर्थशास्त्र प्रगतिशील है, इसलिये वह व्यवहारिक और वास्तविक तो हैं परन्तु भावात्मक नहीं है।

(4) Ans. c
Explanation: व्यवसायिक अर्थशास्त्र आदर्श मूलक अधिक होता है क्योंकि वह मूल्य निर्णयन से गुजरता है, परन्तु वह वास्तविक भी होता है।

(5) Ans. d
Explanation: उपभोक्ता के व्यवहार का अध्ययन सूक्ष्म अर्थशास्त्र में किया जाता है ।

(6) Ans. b
Explanation: सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम की प्रमुख मान्यता यही है कि किसी भी वस्तु का उपयोग लगातार होना चाहिये।

(7) Ans. a
Explanation: उपभोक्ता साम्य की अवस्था में तभी होता है जब सीमान्त उपयोगिता उसके मूल्य के बराबर होती है ।

(8) Ans. a
Explanation: उपभोक्ता की बचत का क्षेत्र सदैव मांग वक्र से नीचे तथा मूल्य से उपर होता है।

(9) Ans. b
Explanation: यदि कोई बिन्दु कीमत रेखा के अंदर स्थित है, तो इसका अर्थ यह है कि उपभोक्ता अपनी क्षमता से कम खर्च कर रहा है।

(10) Ans. d
Explanation: उदासीनता वक्र विश्लेषण में हम सदैव दो वस्तुओं का अध्ययन करते हैं, ना कि किसी एक वस्तु का।

(11) Ans. c
Explanation: क्रय शक्ति का अर्थ है उपभोक्ता द्वारा किसी वस्तु को खरीदने की क्षमता।

(12) Ans. a
Explanation: अतिअल्पकाल में केवल मांग ही परिवर्तित हो सकती है, जबकि पूर्ति स्थिर रहती है। अतः अतिअल्पकाल में केवल मांग ही मूल्य को प्रभावित कर सकती है।

(13) Ans. b
Explanation: प्रदर्शन प्रभाव के अंतर्गत उपभोक्ता किसी वस्तु को उसकी प्रतिष्ठा मूल्य की वजह से खरीदता है।

(14) Ans. c
Explanation: यदि दो वस्तुओं के सापेक्षित मूल्य में परिवर्तन होता है तो प्रतिस्थापन्न प्रभाव उत्पन्न होता है।

(15) Ans. b
Explanation: यदि किसी वस्तु पर कर बढ़ता है तो उसका मूल्य भी बढ़ता है, और जब मूल्य बढ़ता है तो उसकी मांग घट जाती है।

(16) Ans. a
Explanation:
कीमत बढ़ने पर पूर्ति का बढ़ना ही पूर्ति में विस्तार कहलाता है।

(17) Ans. b
Explanation:
करों में कमी पैमाने की बचते होती है।

(18) Ans. d
Explanation:
उपरोक्त सभी कथन असत्य है।

(19) Ans. b
Explanation:
त्यागे गये अवसर की लागत अवसर लागत कहलाती है।

(20) Ans. c
Explanation:
त्यागे गये अवसर की लागत अवसर लागत कहलाती है।

(21) Ans. a
Explanation:

$$MC = \frac{\Delta TC}{\Delta Q} \text{ So}$$

$$\Delta TC = MC \times \Delta Q$$
$$= 30 \times 2 = 60$$

(22) Ans. d
Explanation:
एकाधिकार बाजार में सीमान्त आगम सदैव मूल्य और औसत आगम से कम होती है।

(23) Ans. c
Explanation:
आड़ी लोच शून्य तभी होगी, जब दो वस्तुऐं असम्बन्धित हो।

(24) Ans. b

(25) Ans. a

(26) Ans. a

(27) Ans. c

(28) Ans. a

(29) Ans. d

(30) Ans. a

(31) Ans. d
Explanation:
P_1 = 8/- Q_1 = 80
P_2 – 10/- Q_2 = 100

$$= e_a = \left\{ \frac{Q_1 - Q_2}{Q_1 + Q_2} \times \frac{P_1 + P_2}{P_1 - P_2} \right\}$$

$$= \left\{ \frac{20}{180} \times \frac{18}{2} \right\}$$

= 1

(32) Ans. a
Explanation :
चूँकि जब किसी वस्तु का मूल्य बढ़ता है, तो उसकी मांगी गयी मात्रा में संकुचन होता है, तथा वस्तु का मूल्य घटने पर मांगी गयी मात्रा में विस्तार होता है।

(33) Ans. c

(34) Ans. d

(35) Ans. c

(36) Ans. a
Explanation:
MRSxy निरंतर घटती रहती है इस कारण वश तटस्थता वक्र बायें से दायें ओर ऋणात्मक ढाल वाला होता है।

(37) Ans. d
Explanation:
AC जहाँ न्यूनतम होती है वहाँ MC, AC के बराबर होती है इसे उत्पादन का कुशलतम बिंदु कहते हैं।

(38) Ans. c

(39) Ans. c

(40) Ans. b
Explanation:
क्योंकि पूर्णतया बेलोचदार मॉग के अन्तर्गत मॉग मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं होता (e = 0) अतः स्थानापन्नो की उपलब्धता मॉग मात्रा को प्रभावित नहीं करती क्योंकि कीमत में किसी भी प्रकार का परिवर्तन मॉग मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं लाता।

(41) Ans. d

(42) Ans. b
Explanation:
आंशिक अल्पाधिकार के अन्तर्गत, जब उद्योग पर एक बड़ी फर्म का वर्चस्व होता है तथा वह फर्म ही मूल्य नेतृत्व करती है।

(43) Ans. c
Explanation:
सीमान्त लागत वक्र को पूर्ति वक्र कहते हैं, क्योंकि सीमान्त लागत उत्पादन के बढ़ने के साथ–साथ बढ़ती जाती है।

(44) Ans. a

(45) Ans. a

(46) Ans. a

(47) Ans. d

(48) Ans. c

(49) Ans. b

(50) Ans. d

(51) Ans. c

(52) Ans. d

(53) Ans. c

(54) Ans. c

(55) Ans. b

(56) Ans. a

(57) Ans. d

(58) Ans. a

(59) Ans. d

(60) Ans. d

(61) Ans. a
Explanation:
केवल व्यवसाय में हितों का बदलाव सम्भव है।

(62) Ans. b
Explanation:
रोजगार का मनोवैज्ञानिक उद्देश्य आजीविका कमाना है ?

(63) Ans. b
Explanation:
साझेदारी का अधिक पूंजी लाभ है।

(64) Ans. c
Explanation:
एकल स्वामित्व व्यवसाय में सर्वाधिक निजी हित होता है।

(65) Ans. a
Explanation:
एकल स्वामित्व, हिन्दू अविभाजित परिवार तथा साझेदारी गैर–कॉर्पोरेट व्यवसाय में शामिल है।

(66) Ans. b
Explanation:
अविभाजित परिवार की लगातार तीन पीढ़ियां एक व्यवसाय में होने पर, वह हिन्दू अविभाजित परिवार व्यवसाय कहलाता है।

(67) Ans. c
Explanation:
भुगतान को बिना अंजाम दिये किसी लेन–देन को एक निपटान अवधि से अगली अवधि तक ले जाना बदला कहलाता है।

(68) Ans. a
Explanation:
प्रमुख कपड़ा निर्माता कम्पनी विमल 1975 वर्ष में प्रारम्भ हुई थी

(69) Ans. b
Explanation:
संचित संचयों से विद्यमान अंशों के अनुपात में किया गया अंशों का मुफ्त आवंटन बोनस कहलाता है।

(70) Ans. c
Explanation:
वचन पत्र एक प्रकार का ऋण है, जिसके पीछे किसी भौतिक सम्पदा की गारन्टी नहीं होती है।

(71) Ans. a
Explanation:
किसी उत्पाद की वित्तीय अभिव्यक्ति मूल्य कहलाती है।

(72) Ans. a
Explanation:
एक हस्ताक्षर किया हुआ दस्तावेज जो किसी अनुमोदन को दर्शाता है, स्वीकार (Acceptance) कहलाता है।

(73) Ans. b
Explanation:
व्यापार की कीमत संवेदनशीलता व्यष्टि पर्यावरण के व्यापार का प्रमुख साधन है।

(74) Ans. c
Explanation:
व्यवसाय व तकनीकी अर्न्तसम्बन्धित तथा अर्न्तनिर्भर है।

(75) Ans. d
Explanation:
विप्रो लिमिटेड सूचना व प्रौद्योगिकी उद्योग श्रेणी के अर्न्तगत आती है

(76) Ans. a
Explanation:
मेरा ग्राहक सर्वप्रथम यह SBI का दृष्टिकोण है।

(77) Ans. c
Explanation:
सभी नागरिकों को आधार कार्ड उपलब्ध करवाना सार्वजनिक नीति को इगिंत करता है।

(78) Ans. b
Explanation:
वार्षिक वित्तीय व्यय, कर, प्रशुल्क तथा सेना पर खर्च का निर्णय बजट के अर्न्तगत आता है।

(79) Ans. c
Explanation:
सेबी के खिलाफ प्रथम अपील सिक्योरिटी–अपील ट्रिब्यूनल में की जा सकती है।

(80) Ans. a
Explanation:
बोली Ask/offer का विलोम शब्द है।

(81) Ans. b

(82) Ans. a

(83) Ans. b

(84) Ans. d

(85) Ans. b

(86) Ans. a

(87) Ans. c

(88) Ans. a

(89) Ans. d

(90) Ans. a

(91) Ans. c

(92) Ans. c

(93) Ans. b

(94) Ans. c

(95) Ans. a

(96) Ans. b

(97) Ans. a

(98) Ans. b

(99) Ans. c

(100) Ans. b

***